RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार, 09 जून 2026 | वर्षः 04, अंकः 82, पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

टीएमसी के 28 में से 20 लोकसभा सांसद टूटे

बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राजग का समर्थन करने का फैसला किया

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टूटती नजर आ रही है। पहले टीएमसी के कई विधायकों ने अलग गुट बनाया और अब यह टूट संसदीय दल तक पहुंच गई है। टूट की अटकलों के बीच सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के करीब 14 सांसद केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के घर पहुंचे और बंद कमरे में बैठक की। बैठक में राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले सुखेंदु शेखर भी शामिल हुए। सुखेंदु ने आज ही राज्यसभा और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा की थी। सूत्रों के अनुसार बैठक में पश्चिम बंगाल के मुख्मंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देब भी मौजूद रहे। इस राजनीतिक हलचल के बीच तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी इंडी गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली में मौजूद हैं। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़ने वाले सुखेंदु शेखर ने मीडिया से बातचीत में आरजी कर अस्पताल मामले में तृणमूल कांग्रेस के रवैये की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आरजी कर अस्पताल मामले पर सार्वजनिक रूप से उन्होंने राय रखी थी। तब से पार्टी के भीतर उन्हें नजरअंदाज किया जाने लगा। सुखेंदु ने कहा कि उन्होंने कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की थी क्योंकि मेरा मानना था कि सबूतों को नष्ट करने में उनकी अहम भूमिका थी। इसके कारण उन्हें पार्टी से अलग थलग कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि संसद में दलबदल विरोधी कानून को दरकिनार करने के लिए बागी गुट को दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बाद टीएमसी चौथी सबसे बड़ी पार्टी है। तृणमूल कांग्रेस के पास वर्तमान में लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सदस्य हैं।

तृणमूल सांसद सुखेंदु शेखर राय ने छोड़ी पार्टी, सांसद पद से भी दिया इस्तीफा

कोलकाता/नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ-साथ राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ दी है। सोमवार सुबह दिल्ली से उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा की और आरजी कर अस्पताल की चर्चित घटना तथा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई। सुखेंदु शेखर राय ने दावा किया कि उन्होंने आरजी कर प्रकरण के बाद ही पार्टी छोड़ने का निर्णय ले लिया था, जिसे अब अमल में लाया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते भ्रष्टाचार तथा जनता के भीतर बढ़ते असंतोष ने तृणमूल के पतन को अपरिहार्य बना दिया था।दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह भविष्य में सक्रिय राजनीति से भी संन्यास लेने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था।

'पुष्पा' की गिरफ्तारी के बाद फलता में तृणमूल कार्यालय में तोड़फोड़, शराब की बोतलें और दस्तावेज मिलने का दावा

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिला अंतर्गत फलता से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व उम्मीदवार जहांगीर खान उर्फ पुष्पा की नेपाल सीमा से गिरफ्तारी की खबर सामने आते ही उनके कार्यालय में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का शटर और ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तथा वहां रखे सामान की तलाशी ली। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यालय के भीतर से बड़ी संख्या में शराब की बोतलें और विभिन्न दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके बाद लोगों ने कार्यालय के कमरों और फर्नीचर की भी जांच की। हालांकि कुछ लोगों ने प्रदर्शनकारियों से केवल तलाशी लेने और किसी सामान को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील भी की।

बागी टीएमसी सांसदों लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को दावा किया कि कम से कम 20 सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का समर्थन करने का फैसला किया है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है।

घोष ने कहा कि वे लोकसभा में टीएमसी की मुख्य सचेतक हैं और यह निर्णय अन्य सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्य सचेतक पद से हटाने का फैसला मनमाना और एकतरफा था। पार्टी अध्यक्ष ने भले ही मेरे स्थान पर किसी और की नियुक्ति की घोषणा कर दी हो, लेकिन इससे संवैधानिक और संसदीय स्थिति रातोंरात नहीं बदल जाती।

भविष्य में हमारी राजनीतिक दिशा राजग के साथ होनी चाहिए: काकोली घोष

हमने जनता के जनादेश को स्वीकार किया है। हमारा मानना है कि भविष्य में हमारी राजनीतिक दिशा राजग के साथ होनी चाहिए।

वर्तमान में संसद के दोनों सदनों में टीएमसी के कुल 40 सांसद हैं। टीएमसी के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 12 सदस्य हैं। सुखेंदु शेखर रॉय ने आज ही टीएमसी और राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ बैठक की है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है। पश्चिम बंगाल के बारासात लोकसभा क्षेत्र की सांसद काकोली घोष ने बताया कि 20 सांसदों की ओर से पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा जा चुका है, जिसमें केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की गई है।

ग्रीष्मकालीन बाल कार्यशाला का हुआ भव्य समापन

नन्हे मुन्ने कलाकारों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गीतों की मधुर स्वर लहरियां, तबले की थाप, शास्त्रीय नृत्य की मनमोहक मुद्राएं, डांडिया-गरबा की रंगत और नन्हे कलाकारों की अद्भुत रचनात्मकता, कुछ ऐसा ही मनोरम दृश्य सोमवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) के प्रेक्षागृह में रहा। अवसर था, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपरक बाल कार्यशाला के भव्य समापन समारोह का, जहां बच्चों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का ऐसा रंग बिखेरा कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। चित्रकला प्रदर्शनी से लेकर लोकगीत, शास्त्रीय नृत्य, वादन, डांडिया और गरबा की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय कला एवं संस्कृति की विविध रंगों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. राम प्यारे, सदस्य उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत प्रशिक्षक अंकुर श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षित बच्चों के लोकगीत गायन से हुई। बच्चों ने जगदम्बा घर में दियना बार अइनी हो, बरसन लागी सावन बूंदियां, पिया बिन लागे न मोरी अखियां, रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे, मोरे राम अवध घर आए तथा चार महिनवां गर्मी पड़ें जैसे लोकगीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी।

इसके पश्चात डॉ. अनुपम गुप्ता द्वारा प्रशिक्षित बच्चों ने ये री सखी मंगल गाओ री गीत पर तबला वादन में तीन

ताल की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। कथक प्रशिक्षिका डॉ. अनु सिन्हा के निर्देशन में बच्चों ने गणेश वंदना एवं विष्णु वंदना पर आधारित कथक नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि उर्वशी जेतली के निर्देशन में भरतनाट्यम की मनोहारी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डांडिया एवं गरबा प्रशिक्षिका सोनाली चक्रवर्ती के निर्देशन में बच्चों एवं युवाओं ने हे रंगीलो जमे कालिंद नीरे रात, छोगाड़ो तारो, ओ रे रंगीलो तारो गीतों पर डांडिया नृत्य तथा ढोलीड़ा ढोल रे बजा, ह्मारे हिचले से और रंग ताली, रंग ताली, रंग ताली मां अंबे रंग ताली जैसे लोकप्रिय गीतों पर गरबा नृत्य प्रस्तुत कर सभागार को उत्साह और उमंग से भर दिया।

चित्रकला प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

समापन समारोह के अवसर पर महात्मा गांधी कला वीथिका में प्रशिक्षिका प्रतिभा पाण्डेय के निर्देशन में बच्चों द्वारा तैयार चित्रों और कलाकृतियों की प्रदर्शनी कल्प तरंग : नन्हें मन, अनंत संसार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की।

प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक रंगों, लोककलाओं, मानवीय संवेदनाओं, समुद्र मंथन, वर्ली, गोंड एवं पटचित्र कला सहित विविध विषयों पर आधारित चित्र प्रदर्शित किए गए।

साथ ही वेस्ट मटेरियल से तैयार कलाकृतियां, कैनवास पेंटिंग, मिट्टी शिल्प एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को ड्राइंग-पेंटिंग, क्राफ्ट, मिट्टी शिल्प, वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण तथा योग गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया, जिसका उत्कृष्ट परिणाम प्रदर्शनी में देखने को मिला।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं केंद्र निदेशक ने प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र, अंगवस्त्र व पौधा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी सहित काफी संख्या में शहर के गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आकाश अग्रवाल ने किया।

जानलेवा हमला करने वाले 3 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । देर रात्रि में थाना कोखराज पर प्रार्थिनी साजिया बेगम पत्नी इशराईल निवासी ग्राम शहजादपुर, थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरे घर के सामने एक गड्डे को लेकर आरोपियों से कहासुनी हुई और आरोपीगण द्वारा गाली-गलौज करते हुये कट्टा दिखाकर धमकी दी तथा जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे मैं गम्भीर रूप से घायल हो गयी । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत किया गया । घटना से सम्बन्धित एक अभियुक्त उवैद को अवैध तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है ।

इसी क्रम में थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 3 अभियुक्तों मो0 रेहान पुत्र नन्हे . जुबैर पुत्र कयूम . कयूम पुत्र स्व० यूसुफ निवासीगण शहजादपुर राजन टोला थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

जनपद में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर लिखित परीक्षा की प्रथम पाली को सकुशल सम्पन्न कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी कौशाम्बी अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का लगातार भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं तथा ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सतर्कता का जायजा लिया गया।

डीएम एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी। सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन के फलस्वरूप लिखित परीक्षा की प्रथम पाली सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराई गई।

प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा आगामी पालियों की परीक्षा को भी सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

नाबालिग अपहृता की सकुशल बरामद करते हुए वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कल्याणपुर पुलिस द्वारा अपहरण से संबंधित वांछित अभियुक्त मनोज पुत्र चंद्रभान रैदास निवासी आऊ थाना अतर्रा जनपद बांदा उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार कर सोमवार को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

जाफरगंज पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना जाफरगंज पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर से संबंधित वारंटी अभियुक्त विनोद खटीक पुत्र पट्टूलाल निवासी ग्राम खूंटाझाल थाना जाफरगंज जनपद फतेहपुर उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

डीएम ने विद्युत वर्कशॉप एवं विद्युत उपकेंद्र,मंझनपुर का किया आकस्मिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी(ब्यूरो)। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज विद्युत वर्कशॉप,मंझनपुर एवं विद्युत उपकेंद्र,मंझनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता,विद्युत वर्कशॉप सुधांशु सक्सेना से खराब ट्रांसफार्मरों की संख्या, उनकी मरम्मत की प्रगति तथा प्रतिदिन किए जाने वाले मरम्मत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने 27 खराब ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कार्य लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सहायक अभियंता से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने लंबित ट्रांसफार्मरों की मरम्मत में तेजी लाते हुए कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सामग्री रजिस्टर का अवलोकन किया तथा आवश्यक उपकरणों एवं सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्युत उपकेंद्र,मंझनपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने जनपद के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए अवर अभियंता,विद्युत को शासन द्वारा निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शिकायत पंजिका का अवलोकन किया एवं अवर अभियंता को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण किया जाए।

उन्होंने विद्युत व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चोरी के सामान के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 21 फरवरी को थाना चरवा पर वादी रमेश सिंह पुत्र राम नारायन निवासी ग्राम सैय्यद सरावां थाना चरवा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी बीती रात्रि में अपनी मोटरसाइकिल से अपनी पत्नी के साथ दावत से वापस आ रहे थे तभी असवा के पास दो बाइक सवार चार अज्ञात लोगो ने उन्हे गाली गलौज करते हुए रोक लिया एवं उनसे 1000 /- रु नगद व की-पेड़ समसंग का मोबाइल तथा पत्नी का झुमका, लाकिट व चैन पट्टी छीन कर भाग गये । इसी प्रकार 3 जून को वादी राजू पुत्र भोला निवासी मलाक मोईउद्दीनपुर उपरहार दुधारा थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि कल रात्रि लगभग 09.00 बजे काजीपुर से अपने घर जा रहे थे, तभी ग्राम रैयादेह माफी तथा ग्राम बहादुरपुर के बीच बाइक सवार तीन अज्ञात लोगो ने रोक कर उनका मोबाइल व अन्य वस्तु तथा मोटरसाइकिल छीन कर भाग गए ।

इसी प्रकार थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा आस-पास के लोगो से पूछताछ, सर्विलांस एवं सीसीटीवी के माध्यम से साक्ष्य संकलित करते हुये सोमवार को उपरोक्त दोनो मुकदमों से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त मिथुन पत्र वीरेन्द्र निवासी मन्दर देह माफी थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना के आधार पर पंसौर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल (फरवरी माह में नैनी प्रयागराज से चोरी), चोरी का 02 मोबाइल फोन, ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड (वादी राजू का) तथा 6000 रुपये नगद बरामद किया ।

चरवा में गला काटकर युवक की हत्या

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के मीरन गांव के नजदीक बारा डोली जंगल के किनारे एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई है और सिर कटी लाश को जंगल में फेंक दिया गया है घटनास्थल से कुछ दूर पर मृतक की बाइक भी खड़ी थी सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना मिलते ही मौके पर थाना पुलिस पहुंची है और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं और घटना का निरीक्षण किया है हत्या के खुलासा के लिए पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के पंसौर गांव निवासी राज कुमार उर्फ राजू पासी उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र स्व० देवी दीन रविवार की सुबह 10 बजे घर से अपनी मां शांति देवी को बता कर मोटरसाइकिल से निकला था कि मैं चरवा मीटर लगाने जा रहा हूं। रात करीब 8 बजे युवक ने अपनी मां से फोन पर बताया कि मैं मदूकी गांव में खाना खा रहा हूं किसके यहां खा रहा हूं यह नहीं बताया फोन कट गया। सोमवार कि सुबह मृतक राज कुमार उर्फ राजू की मोटरसाइकिल मीरन गांव के नजदीक बारा डोली जंगल के किनारे पड़ी मिली। लोगों ने संदिग्ध परिस्थितियों में मोटरसाइकिल खड़ी देख चरवा पुलिस को सूचना दिया। चरवा पुलिस मौके पर पहुंच कर मोटरसाइकिल को चरवा थाना उठा ले आयी। सुबह करीब 11 बजे लोगों ने बारा डोली जंगल की झाड़ी में सिर कटी लाश देख कर भौंचक रह गए। लोगों ने चरवा पुलिस को सिर कटी लाश की सूचना दिया चरवा पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया है मोटरसाइकिल के नम्बर से पता चला कि शव राज कुमार उर्फ राजू पासी का है। राजू पासी की मां को पुलिस ने सूचना दिया मौके पर मृतक की मां ने कपड़े व कद काठी से पहचान किया कि मेरे बेटे का शव है। मृतक कि मां ने बताया कि मेरे बेटे कि हत्या मीरन के अंगद रैदास ने हत्या कर के शव को झाड़ी में फेंक दिया है। अंगद कि लड़की से मेरा बेटा बात चीत करता था। इसी बात को लेकर दो माह पूर्व अंगद ने मेरे बेटे को मारा पीटा था। चरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चरवा पुलिस जांच में जुटी हुई है। उम्मीद जताई जाती है कि आधी रात को घर के भीतर गला काट कर हत्या करने के बाद शव को जंगल में ठिकाने लगाया गया है।

दहेज हत्या के आरोपी 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना बकेवर पुलिस द्वारा डीपी एक्ट थाना बकेवर जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित तीन वांछित अभियुक्तगण राहुल यादव पुत्र हंसराज यादव उम्र करीब 24 वर्ष , हंसराज यादव पुत्र स्व0 लाखन उर्फ भदई यादव उम्र करीब 55 वर्ष , लक्ष्मी पत्नी हंसराज यादव उम्र करीब 52 वर्ष निवासीगण ग्राम कंशमीरीपुर थाना बकेवर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

डीएम एसपी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। जनपद फतेहपुर में सोमवार को आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक, राजकीय इंटर कॉलेज एवं मुस्लिम इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, प्रवेश प्रक्रिया, अभ्यर्थियों की सघन तलाशी एवं परीक्षा कक्षों की निगरानी व्यवस्था का गहन जायजा लिया गया। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही न होने पाए। जनपद प्रशासन एवं पुलिस विभाग परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मनमानी ढंग से लॉकअप में रखने पर एसआई को भरने होंगे 35 रुपए हजार जुमार्ना

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस की मनमानी पर दिया फैसला

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों के बर्ताव को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारी लगातार नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। ऐसा यह सोचकर करते हैं कि उनके गलत कामों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा, उन्हें लगता है कि शायद ही कोई नागरिक अपने अधिकारों को लागू करवाने और उन्हें जवाब देह ठहराने के लिए आगे आएगा। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस संजीव कुमार की बेंच ने एक केस में आदेश जारी करते हुए यह टिप्पणी की है। पुलिस ने इस केस के याचिकाकर्त्ता को घरेलू झगड़े की शिकायत पर गैर कानूनी तरीके से 24 घंटे तक लॉकअप में रखा था। कोर्ट ने आदेश दिया के याचिकाकर्ता को 25 हजार रुपए का अंतरिम मुआवजा दिया जाए साथ ही 10 हजार रुपए का खर्च भी दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह राशि दोषी पुलिस कर्मियों से वसूल कर या वेतन से कटौती करके दी जा सकती है।

बेंच ने 16 पन्नों के आदेश में कहा कि 'जब कोई नागरिक अपने अधिकार को लागू करवाने के लिए कोर्ट में आता है तो यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसके अधिकार को लागू करें। आखिरकार चारों ओर ऐसे अधिकारी हैं जो मानते हैं कि उल्लंघन पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाएगा।'

घर में घुसे घसीटकर थाने लाए, बिना कारण बताए लॉकअप में बंद रखा

26 नवंबर 2022 को प्रयागराज निवासी याचिकाकर्ता मतंबर मिश्रा अपने खेतों से घर लौटे तभी पुलिस चौकी के तत्कालीन प्रभारी सब इंस्पेक्टर सूर्य प्रकाश दुबे उनके घर में घुसे और उन्हें घसीटकर बाहर लाए। मतंबर मिश्रा ने ठीक से कपड़ा तक नहीं पहन रखा था। मतंबर मिश्रा को बिना कोई कारण बताए पुलिस स्टेशन लाकर लॉकअप में बंद कर दिया। पुलिस ने इनको 24 घंटे तक लोक लॉकअप में बंद रखा।

हिरासत के दौरान एसआई ने उन्हें छोड़ने के बदले 20 हजार रुपए की रिश्वत भी मांगी। पूरी पुलिस कार्रवाई याचिकाकर्ता के भाई की बहू द्वारा दर्ज कराई गई घरेलू हिंसा के शिकायत के आधार पर शुरू की गई थी। हाई कोर्ट के सामने एसआई ने तर्क दिया की याचिकाकर्ता आपसी समझौते के जरिए विवाद को सुलझाने के लिए सुरक्षा से पुलिस चौकी में उनसे मिलने आया था हालांकि मंच ने इस दलील को खारिज कर दिया कोर्ट ने का आखिरकार ईसाई दुबे कोई आध्यात्मिक गुरु पंच परमेश्वर या समुदाय के नेता नहीं थे, जिनके पास याचिकाकर्ता और उनकी बहू अपनी मर्जी से विवाद के समाधान और सलाह के लिए आते। कोर्ट ने कहा कि यह संभव है की याचिका करता अपनी मर्जी से सलाह के लिए पुलिस के पास गया होगा।

फ्रेट स्मार्ट सिटी योजना : प्रयागराज हेतु व्यापक सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने पर मंथन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शहरी लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ बनाने तथा फ्रेट परिवहन व्यवस्था को अधिक कुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा चयनित 75 फ्रेट स्मार्ट शहरों में प्रयागराज को भी शामिल किया गया था। इसी क्रम में जनपद के लिए व्यापक सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किए जाने के संबंध में मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में सिटी लॉजिस्टिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रयागराज में फ्रेट मूवमेंट को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने तथा शहर में यातायात दबाव कम करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान अयोध्या रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर, रीवा रोड पर ट्रक टर्मिनल-1, कानपुर रोड पर ट्रक टर्मिनल-2, झांसी मार्ग पर ट्रक टर्मिनल-3 तथा सूबेदारगंज के निकट ट्रक पार्किंग विकसित किए जाने के प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त नैनी एवं लखनऊ रोड पर वेयरहाउस विकसित करने तथा लखनऊ रोड, अयोध्या रोड एवं मुंडेरा मंडी के समीप विभिन्न स्थानों पर कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। झूंसी में थोक बाजार तथा नैनी क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। बैठक में प्रस्तुत रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था में शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरी क्षेत्रों का योगदान 63 प्रतिशत से अधिक है। तीव्र आर्थिक विकास एवं शहरीकरण के कारण शहरी फ्रेट परिवहन की मांग निरंतर बढ़ रही है तथा वर्ष 2030 तक इसमें लगभग 140 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। यदि शहरी फ्रेट परिवहन प्रणाली का समुचित नियोजन एवं प्रभावी प्रबंधन नहीं किया गया तो अनावश्यक यात्राओं, बढ़ते यातायात दबाव, उच्च लॉजिस्टिक्स लागत तथा पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी समस्याएं और अधिक गंभीर हो सकती हैं। भारत सरकार द्वारा फ्रेट स्मार्ट सिटीज योजना के माध्यम से 75 शहरों में वैज्ञानिक एवं कुशल फ्रेट परिवहन व्यवस्था विकसित किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत शहरों एवं शैक्षणिक संस्थानों के मध्य क्षमता विकास संबंधी सहयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने हेतु तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही, फ्रेट परिवहन दक्षता के आधार पर शहरों की प्रगति के आकलन, अनुश्रवण एवं रैंकिंग के लिए विभिन्न सूचकांक (इंडिकेटर्स) भी विकसित किए जाएंगे।

प्रयागराज को उत्तर प्रदेश के सात प्रमुख फ्रेट स्मार्ट शहरों—आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ, गाजियाबाद एवं मेरठ के साथ विस्तृत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने हेतु चयनित किया गया है। इसका उद्देश्य शहर में फ्रेट मूवमेंट की दक्षता बढ़ाना, आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करना, सुरक्षित एवं सुगम शहरी वातावरण सुनिश्चित करना तथा न्यूनतम लागत पर अधिकतम विश्वसनीयता के साथ लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध कराना है।

बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रधानमंत्री गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतिम छोर (लास्ट-माइल) की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने, आर्थिक क्षेत्रों एवं औद्योगिक पार्कों को बेहतर अवसंरचनात्मक सुविधाओं से जोड़ने तथा व्यापार एवं उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भंडारण एवं हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि, परिवहन समय में कमी तथा समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

एडीजी प्रयागराज ने कौशांबी के कोखराज में आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

केंद्र की सुरक्षा, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, ड्यूटी में तैनात पुलिस बल तथा अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज परिक्षेत्र ज्योति नारायण ने सोमवार को जनपद कौशांबी के कोखराज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की कार्यप्रणाली का गहनता से जायजा लिया।

एडीजी ने परीक्षा केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार, अभ्यर्थियों की पहचान एवं तलाशी व्यवस्था, कंट्रोल रूम तथा परीक्षा कक्षों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की और

सुनिश्चित किया कि परीक्षा केंद्र की प्रत्येक गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही केंद्र के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों से भी जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने कहा कि भर्ती परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता, नकल अथवा संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को अभ्यर्थियों के साथ शालीन व्यवहार रखने तथा उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कौशांबी पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने एडीजी को परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा रही है।

फूलपुर में खनन माफियाओं पर आधी रात प्रशासन का शिकंजा, छापेमारी में जेसीबी समेत तीन वाहन सीज

सौंरहा और मिश्रापुर में चल रहा था अवैध मिट्टी खनन, एफआईआर दर्ज; प्रशासन की कार्रवाई से मचा हड़कंप

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। रात के अंधेरे में बेखौफ होकर मिट्टी का अवैध खनन कर रहे खनन माफियाओं पर प्रशासन ने सोमवार तड़के बड़ी कार्रवाई की। सौंरहा और मिश्रापुर गांव में संयुक्त छापेमारी के दौरान एक जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टर अवैध खनन करते हुए पकड़े गए। प्रशासन ने तीनों वाहनों को सीज कर थाने भेज दिया, जबकि संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। कार्रवाई के बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

क्षेत्र में लंबे समय से रात के समय मिट्टी के अवैध खनन की शिकायतें प्रशासन को मिल रही थीं। ग्रामीणों का आरोप था कि रात होते ही खनन में लगे वाहन सक्रिय हो जाते हैं और खेतों व अन्य स्थानों से मिट्टी का अवैध दोहन किया जाता है। लगातार मिल रही शिकायतों और खुफिया सूचनाओं के आधार पर प्रशासन ने कार्रवाई की रणनीति तैयार की।

एसडीएम फूलपुर अविनाश सिंह यादव के निर्देश पर नायब तहसीलदार राकेश यादव और नायब तहसीलदार रविंद्र रावत के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सोमवार तड़के करीब दो बजे सौंरहा और मिश्रापुर गांव में एक साथ दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। छापेमारी के दौरान टीम ने एक जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टरों को अवैध खनन में संलिप्त पाया। अधिकारियों ने तत्काल तीनों वाहनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। बाद में उन्हें थाने भेज दिया गया। मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

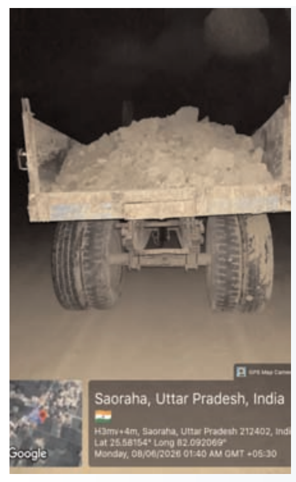

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अवैध खनन से सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचने के साथ-साथ पर्यावरण और कृषि भूमि को भी गंभीर क्षति होती है। यही वजह है कि शासन स्तर से अवैध खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। हाल के दिनों में प्रशासन की बढ़ी सक्रियता के चलते खनन माफियाओं पर दबाव बढ़ा है।

एसडीएम अविनाश सिंह यादव ने कहा कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन की मंशा के अनुरूप अभियान लगातार चलाया जा रहा है और जहां भी अवैध खनन की सूचना मिलेगी, वहां तत्काल छापेमारी कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि खनन माफियाओं के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

अमित शाह यूथ ब्रिगेड प्रयागराज के जिला अध्यक्ष बने शैलेन्द्र शाही

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अमित शाह यूथ ब्रिगेड के संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत जनपद प्रयागराज के निवासी शैलेन्द्र शाही को संगठन का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से संगठन के कार्यकताओं एवं युवाओं में उत्साह का माहौल है। गंगाद्वीप कॉलोनी, नौका, झूंसी निवासी शैलेन्द्र शाही ने अपने मनोनयन पर संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन की विचारधारा, नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के माननीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व, विचारों और विकसित भारत के संकल्प को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए युवाओं को संगठित किया जाएगा।

शैलेन्द्र शाही ने कहा कि संगठन के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा के कार्यों से जोड़ने का विशेष प्रयास किया जाएगा। उनके मनोनयन पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

डीएम ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, निर्देश दिए

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 हेतु परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को लिखित परीक्षा आयोजित है। सोमवार को परीक्षा के प्रथम दिवस पर कर्नलगंज इंटर कॉलेज, जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों में बनाये गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरो के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग को भी देखा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से परीक्षा केंद्रों पर विद्युत ,पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए हैं।

जागृति शुक्ला के निधन पर आक्रोश, सड़क पर उतरकर वकीलों ने जताया विरोध

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । युवा अधिवक्ता जागृति शुक्ला का इलाज के दौरान सोमवार की सुबह निधन हो गया। न्यायालय पहुंचने पर अधिवक्ताओं में गहरा दुख एवं आक्रोश दिखा। जिलाअधिवक्ता संघ के नेतृत्व में संघ भवन पर अधिवक्ताओं ने आम सभा कर आरोपित डॉक्टर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग किया, तत्पश्चात 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत अधिवक्ता को श्रद्धांजलि अर्पित किए।

गौरतलब है कि जागृति शुक्ला सड़क हादसे में घायल हो गई थीं, जिसके बाद साथी अधिवक्ता उन्हें स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इसी दौरान अस्पताल में डॉक्टरों और वकीलों के बीच विवाद हो गया था, जिसने बाद में बड़ा रूप ले लिया।

जागृति शुक्ला के निधन से नाराज वकीलों ने 84 खंबा कलेक्ट्रेट परिसर के सामने व सिविल लाइंस स्थित प्रधान डाकघर चौराहे पर चक्का जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी वकीलों का कहना है कि जब तक निलंबित डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि डॉक्टरों और वकीलों के बीच विवाद कई दिनों तक चला था। मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद एस आर एन अस्पताल के 20 जूनियर डॉक्टरों को निलंबित किया गया था, हालांकि उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए थे।

इसके विरोध में डॉक्टर भी हड़ताल पर चले गए थे।

पोर्टल की खामियां, वकील-व्यापारी परेशान, जीएसटीएटी अपील की समय सीमा बढ़ाने की मांग

प्रयागराज जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन अध्यक्ष रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में दिया गया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 जैसे-जैसे करीब आ रही है, जीएसटी पोर्टल की गंभीर तकनीकी खामियों, सर्वर की धीमी गति और सिस्टम की जटिलताओं के कारण अधिवक्ताओं और व्यापारी वर्ग में भारी रोष व निराशा व्याप्त है। इस ज्वलंत समस्या के समाधान हेतु प्रयागराज जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि शंकर पाण्डेय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल, प्रयागराज के तकनीकी सदस्य आशीष वर्मा के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा।

यह ज्ञापन जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली के प्रेसिडेंट और जीएसटी काउंसिल के विचारार्थ प्रेषित किया गया है।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि शंकर पाण्डेय ने स्थिति की गंभीरता को स्पष्ट करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश की सभी 5 स्टेट बेंचों (प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गाजियाबाद) के टैक्स अधिवक्ता इन दिनों पोर्टल की अव्यवस्था से जूझ रहे हैं। बार-बार सर्वर का डाउन होना, प्री-डिपॉजिट राशि का डेटा सही ढंग से इंपोर्ट न होना, आवश्यक एनेक्चर्स को अपलोड करने में आ रही तकनीकी दिक्कतें और फॉर्म सबमिट होने के बाद एक्नॉलेजमेंट जनरेट होने में हो रहा अप्रत्याशित विलंब आदि कारणों से 30 जून की समय-सीमा तक अपीलों का सुचारू रूप से दाखिल हो पाना व्यावहारिक रूप से पूर्णतः असंभव प्रतीत हो रहा है।

प्रयागराज ट्रिब्यूनल बेंच जिसमें 11 जिले आते हैं, वहां अभी तक इन्हीं समस्याओं के कारण व्यापारियों की तरफ से, दो दर्जन अपील भी दाखिल नहीं हो पाई है जबकि हजारों अपील दाखिल की जानी है।

एसोसिएशन ने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि वर्तमान तकनीकी बुनियादी ढांचे की कमियों के बीच इस डेडलाइन को थोपने से हजारों वास्तविक करदाताओं के अपील करने के वैधानिक अधिकार का हनन होगा और उन्हें अपूरणीय आर्थिक और मानसिक क्षति का सामना करना पड़ेगा। बार एसोसिएशन ने नेशनल प्रेसिडेंट और जीएसटी काउंसिल से पुरजोर मांग की है कि न्याय के मूल सिद्धांतों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की भावना को संरक्षित रखते हुए वे अपने प्रशासनिक विशेषाधिकार का प्रयोग करें। जिन मामलों में अपील दाखिल करने की समय-सीमा 30 जून 2026 को समाप्त हो रही है, उनके लिए इस डेडलाइन को कम से कम 3 महीने के लिए बढ़ा दिया जाए। सभी ने एक स्वर में मांग की है कि जब तक जीएसटी पोर्टल पूरी तरह से सुचारू और त्रुटिहीन नहीं हो जाता, तब तक टैक्सपेयर्स पर यह समय-सीमा लागू करना न्यायसंगत नहीं है।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविशंकर पाण्डेय, संरक्षक एनके अरोरा, चेयरमैन नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, महासचिव शिव प्रकाश दुबे, कोषाध्यक्ष श्रीकांत केसरवानी, नीरज कुमार त्रिपाठी, अनिल कुमार यादव, शशांक केशरवानी, प्रखर गुप्ता, आशीष मिश्रा, नीरज कुमार सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और टैक्स अधिवक्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महिला अधिवक्ता की मौत के बाद फिर आमने-सामने आए वकील और डॉक्टर

जागृति शुक्ला के निधन पर भड़का आक्रोश, हाईकोर्ट गेट पर प्रदर्शन और चक्काजाम; डॉक्टरों ने भी शुरू की हड़ताल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सड़क हादसे में घायल हुई हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता जागृति शुक्ला की लखनऊ पीजीआई में इलाज के दौरान मौत के बाद सोमवार को एक बार फिर वकीलों और डॉक्टरों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई। अधिवक्ताओं ने आरोपी जूनियर डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाईकोर्ट गेट पर प्रदर्शन किया और एकलव्य चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। वहीं, डॉक्टरों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में एसआरएन अस्पताल के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए।

बताया जा रहा है कि 20 मई को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई अधिवक्ता जागृति शुक्ला को उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल लाया गया था। उस दौरान इलाज को लेकर अधिवक्ताओं और जूनियर डॉक्टरों के बीच विवाद हुआ था, जो मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गया था। घटना के बाद कई दिनों तक दोनों पक्षों के बीच धरना-प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार चला था।

सोमवार को जागृति शुक्ला के निधन की सूचना मिलते ही अधिवक्ताओं का आक्रोश फिर फूट पड़ा। बड़ी संख्या में वकील हाईकोर्ट परिसर में एकत्र हुए और जिम्मेदार डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद अधिवक्ता एकलव्य चौराहे पर पहुंच गए और सड़क जाम कर दी, जिससे सिविल लाइंस क्षेत्र में लंबा जाम लग गया।

उधर, पुलिस द्वारा सर्जरी विभाग के जूनियर रेजिडेंट डॉ. मोशीन अली समेत तीन डॉक्टरों को हिरासत में लिए जाने की सूचना पर एसआरएन अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने विरोध शुरू कर दिया। डॉक्टरों ने ओपीडी, पर्चा काउंटर, दवा वितरण केंद्र और ट्रॉमा सेंटर की सेवाएं प्रभावित कर दीं।

देर शाम झूंसी के तुलापुर निवासी पवन शुक्ला की पुत्री जागृति शुक्ला का शव पुलिस अभिरक्षा में उनके आवास पहुंचा। शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में अधिवक्ता भी वहां पहुंच गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मृतका के घर और आसपास पुलिस व पीएसी बल तैनात कर दिया गया है।

पंडिला महादेव मंदिर में उमड़ा जनसैलाब बड़ी संख्य में लोगों भोले बाबा को चढ़ाया जल

प्रभारी निरीक्षक थाना थरवई संतोष पांडेय ने सम्हाला मोर्चा

सबसे तेज प्रयागराज

फाफामऊ। अधिकमास में सोमवार को पंडिला महादेव मंदिर में लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा भारी संख्या में लोगों ने भोले बाबा को जल चढ़ाया सुबह करीब 9 बजे मंदिर के आसपास जाम की स्थिति हो गई जानकारी पर प्रभारी निरीक्षक थाना थरवई संतोष पांडेय ने मौके पर पहुंचकर खुद मोर्चा संभाला और जाम खुलवाने में जुट जाए थोड़ी देर में स्थिति नियंत्रित की और जाम खुलवा दिया आवागमन शुरू करवाया तो लोगों ने राहत की सांस ली और थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष पांडेय की तारीफ की मंदिर से 200 मीटर पहले एसएचओ संतोष पांडेय ने बैरिकेटिंग कराई और सख्त निर्देश दिया कि कोई गाड़ी यहां से आगे नहीं जाएगी सभी लोग यहां से पैदल मंदिर तक जाएंगे तब जाकर आवागमन सुचारु रूप से चालू हुआ गौरतलब है कि पांडेश्वर नाथ महादेव मंदिर पंडिला में अगल बगल के जनपदों से लोग भोले बाबा को जल चढ़ाने आने है तथा बड़ी संख्या में निशान आदि चढ़ाते हैं अधिकमास में यहां एक महीने लोगों का तांता लगा रहता है सोमवार को भीड़ कई गुना बढ़ जाती है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन यूनिवर्सिटी में नेशनल टेक्निकल सेमिनार प्रशिक्षण के बाद मास्टर्स चैंपियनशिप का आयोजन

सर्टिफिकेट और मेडल से नवाजे गए प्रतिभावान खिलाड़ी

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। वोवीनाम एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन यूनिवर्सिटी में चल रहे नेशनल टेक्निकल सेमिनार प्रशिक्षण के उपरांत मास्टर्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया।

इसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा और पूर्वी विधानसभा विधायक ओपी श्रीवास्तव रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और सर्टिफिकेट वितरित किए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, विश्वविद्यालय कुलसचिव विकास कुमार, वियतनाम से आए प्रशिक्षक मास्टर न्यूगयन हक और फैम ची, प्रदेश कोषाध्यक्ष सच्चिदानंद पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग ने बताया कि मास्टर्स कैटेगरी में थपथा क्यूं कैटेगरी में चोंग्थम महादेव (मणिपुर),महेश मोहन

मोरे (महाराष्ट्र), शिफू पांचा (तमिलनाडु) सॉन्ग लिन मा ताओं में बृजेश कुमार भाऊ (जम्मू कश्मीर) गोल्ड, ऋषि कुमार (उत्तराखंड) सिल्वर, मिलन ज्योति (असम) ब्रोंज, आशीष कुमार (उत्तर प्रदेश), सॉन्ग लिन किम में हिना देवी व पुष्पारानी (मणिपुर) गोल्ड, हिमा भट्ट, सोनू शर्मा (उत्तराखंड) सिल्वर, मानसी जायसवाल, ज्योति उत्तर प्रदेश ब्रोंज को मुख्य अतिथियों ने मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम के दौरान विधायक और संगठन प्रदेश अध्यक्ष ओपी श्रीवास्तव ने कर्नाटक, राजस्थान, असम, मणिपुर, जम्मू कश्मीर, उत्तरांचल, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से आए खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उत्तर प्रदेश के सनी कुमार और लकी सिंह को 51000 नगद पुरस्कार से सम्मानित किया।

17 एवं 18 जुलाई को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होगी

20 अगस्त से जम्मू में आयोजित 15वी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के चयन के लिए 17 एवं 18 जुलाई को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

अवैध शराब के साथ जीआरपी ने युवक को दबोचा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी महोदय रेलवे के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 रामकरन सिंह प्रभारी चौकी जीआरपी छिवकी प्रयागराज व आरपीएफ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन छिवकी प्रयागराज जं० के प्लेटफार्म नम्बर 02 दिल्ली साईड इण्ड पर लगी बेंच के पास से समय 11.15 बजे एक शराब तस्कर अभियुक्त विकाश कुमार उर्फ पिन्टू को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

कर्नलगंजमें पेड़से लटका मिला युवकका शव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कर्नलगंज के ईश्वर शरण चौकी क्षेत्र स्थित एक छात्रावास के पीछे सोमवार सुबह एक युवक का शव बबूल के पेड़ से लटका मिला।

कर्नलगंज पुलिस ने युवक के शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। प्रभारी निरीक्षक कर्नलगंज संजय कुमार सिंह ने बताया कि लोगों की सूचना पर एक युवक का पेड़ से लटका शव बरामद हुआ है।

उसकी उम्र ३०-३५ वर्ष के बीच होगी। प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। शव की तलाशी में कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे पहचान हो सके। पहनावे और हुलिया से युवक के छात्र होने की भी संभावना कम है।

भूमि विवादों पर प्रशासन की सख्ती, चौपाल में कई मामलों का मौके पर निस्तारण

अतनपुर में आयोजित राजस्व चौपाल में जमीन, रास्ते और जल निकासी से जुड़े विवादों का हुआ समाधान

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्राम अतनपुर में आयोजित राजस्व चौपाल में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कई लंबित मामलों का मौके पर ही समाधान कराया।

चौपाल में एसडीएम फूलपुर अविनाश सिंह यादव और नायब तहसीलदार राकेश यादव ने राजस्व टीम के साथ ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और आवश्यक निर्देश दिए।

चौपाल में विद्या देवी की बैनामा की गई भूमि, आराजी संख्या-2 से जुड़े कब्जा विवाद की सुनवाई की गई। दोनों पक्षों की बात सुनने और राजस्व अभिलेखों की जांच के बाद मामले का निस्तारण किया गया।

इसके अलावा आराजी संख्या-462 से संबंधित रास्ते के विवाद का भी समाधान कराया गया। ग्रामीणों द्वारा रास्ते पर पत्थर डाले जाने और डामर सड़क निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद से विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से बातचीत कर समस्या का निस्तारण कराया।

नाले की खुदाई से बाधित जल निकासी के मामले को भी गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

एसडीएम अविनाश सिंह यादव ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार भूमि विवादों का समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है और ऐसे मामलों का समाधान मौके पर कर ग्रामीणों को राहत दी जा रही है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन पर की गयी विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था

रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी ने संयुक्त रूप से चलाया व्यापक सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं जन-जागरूकता अभियान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के मद्देनजर प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अभ्यर्थियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने संयुक्त रूप से विशेष सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य परीक्षार्थियों की सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करना रहा।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज दीपक कुमार आजाद के निर्देश पर निरीक्षक अमित कुमार मीणा एवं रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों ने स्टेशन परिसर में आने वाले अभ्यर्थियों एवं यात्रियों की भीड़ को सुव्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया। यात्रियों एवं अभ्यर्थियों को प्लेटफार्म पर पीली रेखा के पीछे खड़े रहने तथा रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया। तैनात कर्मी लाउड हेलर एवं

पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार सुरक्षा संबंधी घोषणाएं करते रहे। अभ्यर्थियों एवं यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा रखने, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा वस्तु की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल अथवा जीआरपी को देने, दलालों एवं अफवाहों से सतर्क रहने तथा सुरक्षित यात्रा करने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

प्रयागराज जंक्शन से प्रारम्भ होने वाली विभिन्न गाड़ियों में अभ्यर्थियों एवं यात्रियों को कतारबद्ध कराकर व्यवस्थित रूप से चढ़ाया एवं बैठाया गया। विशेष रूप से प्लेटफार्म संख्या 05 पर बांदा एवं चित्रकूट की ओर जाने वाली गाड़ी संख्या 14116 में यात्रियों को लाइन लगवाकर सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से बैठाने की व्यवस्था की गई, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसर, प्रवेश एवं निकास द्वारों एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी द्वारा संयुक्त रूप से सघन चेकिंग एवं निगरानी अभियान चलता रहा।

रेल प्रशासन ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान स्टेशन पर सतत निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की जाएंगी। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त प्रयासों से अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं सुचारु यात्रा का लाभ मिलेगा तथा स्टेशन परिसर में कानून-व्यवस्था और यात्री सुविधाएं बेहतर बनी रहेंगी।

संपादकीय

नक्सलवाद की समाप्ति के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की । नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने इस समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया । कुछ अभी फरार हैं। शाह ने कहा कि देश अब नक्सल मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया। शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ। उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना। शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है।

युद्ध कोई नहीं जीता है

संजय गोस्वामी

अमेरिका- इजराइल और ईरान युद्ध युद्ध जिस पर दुनिया भर के मीडिया का ध्यान है। सारे चैनल युद्ध पर और खबर जो दिखाई जा रही है उससे शांति नष्ट हो गई है – युद्ध ने इंसानियत के मतलब पर हजारों बातचीत शुरू कर दी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया ने इसे नजरअंदाज करना चुना, जिससे हमें हैरानी हुई कि क्या हमने अपने आस-पास एक अंधा और असंवेदनशील सोशल बबल बना लिया है। ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी में एक महीने से ज्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। तेहरान ने मरी हुई लड़कियों की फोटो जारी की हैं। उनके दुखी माता-पिता के वीडियो और फोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए, लेकिन हममें से कितने लोगों ने उन्हें देखने की परवाह की, ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी में एक महीने से ज्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। 24 मार्च को, दर्जनों औरतें रोम की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले, नंगे पैर मार्च कर रही थीं। ये गाजा और इजराइल की माँएँ थीं। उनके बच्चे या रिश्तेदार हमास की हिंसा और इजराइल द्वारा लिए गए बदले के शिकार हुए थे। उनका मैसेज जोरदार और साफ थाः इजराइल और गाजा दोनों के रहने वाले खुद को आदम और हव्वा की औलाद मानते हैं, और उन्हें बस शांति चाहिए। यह मार्च उन लोगों के लिए एक सबक था जो सोचते हैं कि हर इजराइली गाजा को जला देना चाहता है। ये औरतें 25 मार्च को पोप लियो क्ष्र से मिलीं। पोप पहले ही शांति की अपील कर चुके थे। लेकिन क्या उन्होंने इन मांओं के कहने पर अमेरिका या यूरोप से बात की? तब से उनके रिएक्शन की कोई खबर नहीं है। इस युद्ध मेंअमेरिकी सेना, उपकरण और मध्य देश में बेस भी में खो देता है और फिर कहा कि मैं असलऔर ट्रम्प ने देश से कहा युद्ध में अमेरिकी जीत गया हैलेकिन वास्तव में, कोई नहीं जीता है।

बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

कांतिलाल

गुजरात में अचानक बदले मौसम ने आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। गुरुवार को राज्य के अनेक जिलों में तेज हवाओं, धूल भरी आंधियों, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने ऐसा रूप लिया कि कई स्थानों पर हालात किसी छोटे तूफान जैसे प्रतीत हुए। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन ने जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी, वहीं दूसरी ओर खेतों में खड़ी रबी फसलों के लिए यह किसी आपदा से कम नहीं रहा। विशेष रूप से उस समय जब गेहूं, चना, जीरा और सौंफ जैसी फसलें कटाई के लिए पूरी तरह तैयार खड़ी थीं, इस तरह की बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का खतरा बढ़ा दिया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दर्ज की गई वर्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मौसम ने व्यापक रूप से असर डाला है। अमरेली जिले की बगसरा तहसील में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि सुरेंद्रनगर के चोटीला, राजकोट शहर और जूनागढ़ की भैंसाण तहसील में भी लगभग डेढ़ इंच तक पानी गिरा। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम वर्षा हुई। दिनभर में कुल बहत्तर तहसीलों में वर्षा दर्ज होना इस बात का संकेत है कि यह बदलाव केवल सीमित क्षेत्र तक नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश में इसका प्रभाव दिखाई दिया।

राजकोट में तो स्थिति और भी गंभीर रही, जहां केवल एक घंटे की तेज बारिश ने पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, होर्डिंग्स गिर गए और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। इसी प्रकार जामनगर में धूल भरी आंधी के कारण दृश्यता कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को काफी कठिनाई हुई। कई जगहों पर सौर ऊर्जा पैनल उड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे संपत्ति का नुकसान भी हुआ।

पाटण जिले के सांतलपुर और समी क्षेत्रों में तूफानी हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कई मकानों के छप्पर उड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। छोटे रण क्षेत्र में रहने वाले अगरिया समुदाय को भी बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा, क्योंकि नमक उत्पादन प्रभावित हुआ और सौर ऊर्जा उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन और आजीविका पर सीधा प्रहार है जो पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन करते हैं।

महेसाणा, वडोदरा और जूनागढ़ सहित अन्य जिलों में भी तेज हवाओं और बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर ओलावृष्टि की भी खबरें सामने आईं, जिससे खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका और बढ़ गई है। ओले गिरने से फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे किसानों को बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। ऐसे में यह स्थिति किसानों के लिए दोहरी मार साबित होती है।एक ओर उत्पादन घटता है और दूसरी ओर आय भी कम हो जाती है।

मौसम विभाग के अनुसार इस अचानक बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण की भूमिका है। इन कारणों से राज्य के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और आंधी की स्थिति बनी। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि आने वाले चौबीस घंटों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है और कुछ क्षेत्रों में इक्कीस मार्च तक बेमौसम बारिश जारी रह सकती है। विशेष रूप से बनासकांठा, पाटण, साबरकांठा, कच्छ और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में इस प्रकार की स्थिति बनी रहने की संभावना जताई गई है।

किसानों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि रबी फसलों की कटाई का दौर चल रहा होता है। महीनों की मेहनत के बाद जब फसल तैयार होती है, तभी इस तरह का मौसम उनकी सारी उम्मीदों को झटका दे देता है। बारिश के कारण कटाई में देरी होती है, फसल भीग जाती है और कई बार पूरी तरह खराब हो जाती है। इसके अलावा तेज हवाओं से फसलें गिर जाती हैं, जिससे कटाई और भी कठिन हो जाती है। इससे उत्पादन में कमी आती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के मौसम परिवर्तन अब पहले की तुलना में अधिक देखने को मिल रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकते हैं। बदलते मौसम के इस स्वरूप ने खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है। ऐसे में किसानों को नई तकनीकों और सावधानियों को अपनाने की आवश्यकता है, ताकि वे इस प्रकार की परिस्थितियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकें। कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं और मौसम की जानकारी पर लगातार नजर बनाए रखें।

प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, इस तरह की प्राकृतिक घटनाओं के सामने मानव प्रयास सीमित ही साबित होते हैं, लेकिन समय पर चेतावनी और सावधानी से नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

यह बेमौसम बारिश और आंधी केवल एक दिन की घटना नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि मौसम का स्वरूप बदल रहा है और इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। किसानों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि इसी प्रकार का मौसम बार-बार होता रहा, तो उनकी आय और जीवन दोनों पर इसका गहरा असर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएं।

अंततः कहा जा सकता है कि गुजरात में आया यह मौसम परिवर्तन केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हमें अपने पर्यावरण और कृषि प्रणाली को अधिक मजबूत और अनुकूल बनाने की दिशा में कदम उठाने होंगे। किसानों की सुरक्षा और उनके भविष्य को सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है, क्योंकि वही हमारे अन्नदाता हैं और उनकी समृद्धि में ही पूरे समाज की समृद्धि निहित है।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ कर्मयोगी साधना सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल नागरिक देवो भव की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है–जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत 2047 केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए निरंतर सीखना अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी कहीं भी,कभी भी सीख सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम-आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निमार्ता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में कर्मयोगी का अर्थ ही है- कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - जीएमसटी प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की अंतिम मील डिलीवरी मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट और कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं। सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए।

कर्मयोगी साधना सप्ताह का प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।

यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

निरंतर सीखने, नवाचार और सेवा-भाव के आधार पर निर्मित यह सिविल सेवा न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहचान बना सकती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कर्मयोगी साधना सप्ताह केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक पर विपक्ष का विरोध-आशंकाएं

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। सीमाओं की सुरक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और आपदा प्रबंधन तक, इन बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में जब भी इनके ढांचे, सेवा शर्तों या अधिकारों से जुड़ा कोई नया विधेयक या सुधार प्रस्ताव सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से व्यापक चर्चा होती है। लेकिन हाल के समय में देखा गया है कि विपक्ष इन प्रस्तावों का मुखर विरोध कर रहा है। यह विरोध किन कारणों से प्रेरित है, इसे समझना जरूरी है।

सबसे पहली चिंता संघीय ढांचे (फेडरल स्ट्रक्चर) को लेकर है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के माध्यम से राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप बढ़ा सकती है। यदि किसी विधेयक में बलों को अधिक स्वायत्तता या सीधे हस्तक्षेप के अधिकार दिए जाते हैं, तो यह राज्यों की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को कमजोर कर सकता है। यही कारण है कि कई विपक्षी दल इसे राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण के रूप में देखते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा बलों के कर्मियों के अधिकारों और कल्याण से जुड़ा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार सुधार के नाम पर अनुशासन और नियंत्रण को तो मजबूत कर रही है, लेकिन जवानों की समस्याओं– जैसे लंबी ड्यूटी, मानसिक तनाव, वेतन विसंगतियां और पेंशन–पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यदि किसी विधेयक में इन मुद्दों का संतुलित समाधान नहीं होता, तो उसका विरोध स्वाभाविक है।

तीसरा पहलू राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका है। विपक्ष को डर है कि सीएपीएफ का इस्तेमाल राजनीतिक विरोध को दबाने या चुनावी लाभ के लिए किया जा सकता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सुरक्षा बलों की निष्पक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी ऐसे प्रावधान पर सवाल उठना लाजिमी है जो इस निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि, यह भी सच है कि कई बार विरोध का कारण केवल नीतिगत असहमति नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति भी होती है। संसद में सरकार को घेरने और जनमत को प्रभावित करने के लिए विपक्ष अक्सर ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाता है। इससे बहस तो होती है, लेकिन कई बार सार्थक समाधान पीछे छूट जाते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएपीएफ जैसे संवेदनशील विषय पर निर्णय लेते समय संतुलन और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। सरकार को चाहिए कि वह सभी हितधारकों–राज्यों, सुरक्षा विशेषज्ञों और स्वयं बलों के कर्मियों–से व्यापक संवाद करे।

ट्रंप की मजबूर एग्जिट चाल, ईरान का भीषण प्रहार और इजरायल की अग्निपरीक्षा

दिलीप कुमार पाठक

आज मध्य-पूर्व के तपते और बारूद की गंध से भरे रेगिस्तान में इतिहास की सबसे खतरनाक पटकथा लिखी जा रही है और दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ अमेरिका जैसी महाशक्ति की हेकड़ी ईरान के फौलादी इरादों के सामने पस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो व्हाइट हाउस की कुर्सी संभालते ही ईरान को पत्थर युग में भेजने की गर्जना कर रहे थे, आज उसी ईरान की अभूतपूर्व सैन्य दृढ़ता और अचूक मिसाइल तकनीक के सामने खुद को बुरी तरह फंसा हुआ पा रहे हैं। ट्रंप का हालिया और चौंकाने वाला बयान, जिसमें उन्होंने अगले 2 से 3 हफ्तों के भीतर ईरान से अपनी सेना को बाहर निकालने की बात कही है, दरअसल कोई सोची-समझी कूटनीतिक जीत नहीं बल्कि एक हारी हुई बाजी से सुरक्षित निकलने की छटपटाहट है क्योंकि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी अब

ईरान के आत्मसम्मान और उसकी मजबूत सैन्य घेराबंदी के सामने धराशायी हो चुकी है। ट्रंप जो खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डील मेकर कहते थे, आज ईरान की शर्तों के सामने बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं और उनकी शांति की बात दरअसल उनकी अपनी सैन्य विफलता और रणनीतिक हार को छिपाने का एक पारदर्शी पर्दा मात्र है। वे भली-भांति जानते हैं कि अगर वे अब इस युद्ध के मैदान से बाहर नहीं निकले, तो अमेरिका को एक ऐसे क्षेत्रीय महायुद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी तबाही की आंच सीधे वाशिंगटन की दहलीज तक पहुँचेगी, क्योंकि ईरान ने साफ कर दिया है कि मध्य-पूर्व अब अमेरिका की जागीर नहीं है। ईरान का पक्ष आज इस संघर्ष में एक अजेय विजेता की तरह उभरा है जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह अब केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं रहेगा बल्कि आक्रामक रक्षा की नीति अपनाते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह करेगा। हाल ही में तेल अवीव की अभेद्य कही जाने वाली सुरक्षा दीवारों को भेदती ईरानी मिसाइलों और जॉर्डन स्थित अमेरिकी अड्डों पर हुए अचूक हमलों ने यह साबित कर दिया है कि ईरान की सैन्य शक्ति को कम आंकना ट्रंप की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल थी। ईरान ने न केवल अमेरिकी धमकियों को कूड़ेदान में डाल दिया है बल्कि अपनी सैन्य श्रेष्ठता के दम पर युद्ध का भूगोल बदलने की ऐसी चुनौती दी है जिससे ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मंच पर पूरी तरह अलग-थलग और लाचार पड़ गए हैं। इस बीच, ट्रंप के पीछे हटने के फैसले ने मध्य-पूर्व की बिसात पर एक ऐसा पावर वैक्यूम पैदा कर दिया है जिसे भरने के लिए रूस और चीन भूखे भेड़ियों की तरह घात लगाकर बैठे हैं और जैसे ही अमेरिकी सेना के कदम पीछे हटेंगे, पुतिन अपनी सैन्य साख और शी जिनपिंग अपनी असीमित आर्थिक शक्ति के जरिए इस तेल-समृद्ध क्षेत्र को पूरी तरह अपने प्रभाव में ले लेंगे। ट्रंप की यह एग्जिट चीन के लिए वह सुनहरा रास्ता खोल रही है जहाँ वह बिना एक भी गोली चलाए मध्य-पूर्व का नया आर्थिक और रणनीतिक महाबली बनकर उभरेगा, जो सीधे तौर पर अमेरिकी वैश्विक वर्चस्व के अंत का औपचारिक एलान होगा। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा बेचैनी, गुस्सा और असुरक्षा इजरायल के खेमे में दिखाई दे रही है, प्लान किसी बड़े कूटनीतिक विश्वासघात और सीधे तौर पर मौत के वारंट से कम नहीं है।

क्योंकि इजरायल का स्पष्ट मानना है कि अमेरिका का पीछे हटना ईरान को पूरे क्षेत्र का बेताज और अनियंत्रित बादशाह बना देगा।इजरायल आज खुद को इस युद्ध में ठगा हुआ और अकेला महसूस कर रहा है और उसने अपने सैन्य बजट में $10 बिलियन की जो ऐतिहासिक और भारी वृद्धि की है, वह दुनिया को यह जताने के लिए काफी है।

भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है विधानसभा चुनाव के लिए एसआईआर की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही है इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई चल रही है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस तरह से आर पार की लड़ाई लड़ रही है उसके कारण वह चुनाव आयोग और भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गई हैं। चुनाव आयोग का एसआईआर का खेल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने समझ लिया है फॉर्म नंबर 6 और 7 का जो खेल चुनाव आयोग में चल रहा है उसे भी विपक्षी दलों और ममता बनर्जी ने पहचान लिया है जिस तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में बड़े अधिकारियों से लेकर बीएलओ तक के ट्रांसफर किए हैं। हर मामले में ममता बनर्जी और उनके अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाया है हाई कोर्ट में भी ममता बनर्जी ने लड़ाई लड़ने में कोई कोताही नहीं बरती निश्चित रूप से चुनाव आयोग को जो संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है सरकार का संरक्षण प्राप्त है उसको देखते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षाकृत लाभ नहीं मिला इसके बाद भी उन्होंने पूरी तरह से जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं उसमें एक धर्म विशेष के लोगों में जब हाईकोर्ट के जज का नाम कट गया उससे यह मामला जनता के बीच बड़ी तेजी के साथ पहुंच गया हाल ही में न्यायिक अधिकारी ब्लॉक ऑफिस में बैठकर जिन लोगों के नाम नहीं जुड़े थे उनकी शिकायतों पर जांच कर रहे थे उन न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं ने कई घंटे तक बंधक बना कर रखा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पूरी रात जाग कर प्रशासन को सक्रिय करना पड़ा उसके बाद सुनवाई कर रहे जजों को बाहर निकाला गया बाद में सुप्रीम कोर्ट को आदेश करना पड़ा कि सीआरपीएफ को न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की ड्यूटी में लगाया जाए इस मामले में पहले ही टीएमसी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए यह कह दिया था जिस बड़े पैमाने पर अधिकारियों के ट्रांसफर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिना राज्य सरकार के परामर्श के किए गए हैं उसके बाद राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर पूरा प्रशासन कम कर रहा है। कानून व्यवस्था की पश्चिम बंगाल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है जिद मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उ

आग हादसे में पत्नी को खोने वाले व्यापारी परिवार की मदद को आगे आए मंत्री नन्दी, 10 लाख की सहायता और बिटिया की पढ़ाई का लिया जिम्मा

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के नैनी बाजार में भीषण अग्निकांड में अपनी पत्नी को खोने वाले व्यापारी संजीव कुमार केसरवानी और उनके परिवार की मदद के लिए प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी आगे आए हैं।
मंत्री नन्दी ने पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा नीट की तैयारी कर रही उनकी बेटी की पढ़ाई का पूरा जिम्मा उठाने का आश्वासन दिया है।
गौरतलब है कि 12 मई को नैनी बाजार स्थित व्यापारी संजीव केसरवानी के घर और गोदाम में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई थी। हादसे में गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया था। वहीं अपने बच्चों को बचाने के प्रयास में उनकी पत्नी अर्चना गुप्ता गंभीर रूप से झुलस गई थीं और बाद में उनकी मृत्यु हो गई थी। इस दर्दनाक घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया।
कुछ दिन पूर्व मंत्री नन्दी पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों का दुख-दर्द सुना और हादसे से जुड़े वीडियो भी देखे, जिनमें आग की लपटों के बीच अर्चना गुप्ता अपने बच्चों को बचाने का प्रयास करती दिखाई दे रही थीं। इस हृदयविदारक घटना से मंत्री भी भावुक हो गए।

मंत्री नन्दी ने परिवार को भरोसा दिलाया कि उनकी होनहार बेटी की नीट की तैयारी किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बेटी की शिक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी उठाने का वादा किया। साथ ही आग से पूरी तरह प्रभावित व्यापार को दोबारा खड़ा करने के लिए बिना ब्याज के दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया, जिससे परिवार पुनः आत्मनिर्भर बन सके।
मंत्री नन्दी ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।
उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी नैनी के एडीए मोड़ और बारा क्षेत्र में आग से प्रभावित व्यापारी परिवारों की आर्थिक सहायता कर मंत्री नन्दी ने उन्हें संकट से उबरने में सहयोग किया था।
स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में मंत्री नन्दी हमेशा मदद के लिए आगे आते रहे हैं और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर

केन्द्रीय मंत्री रामदास आठवले ने पार्टी के कार्यकर्ताओं संग बैठक की, कार्यकर्ताओं का बढ़ाया उत्साह

वाराणसी।
केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने रविवार को वाराणसी में अपनी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई अ) के प्रदेश स्तरीय "पदाधिकारी बैठक" में भाग लिया। बैठक में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के साथ पार्टी संगठन के विस्तार पर केन्द्रीय मंत्री ने खासा जोर दिया।
सर्किट हाउस में बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का उत्साह भी बढ़ाया। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि समय कम है और चुनौतियाँ बड़ी हैं, इसलिए हम सभी को अपने-अपने क्षेत्रों में और अधिक सक्रिय होने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शोषित, वंचित और पीड़ित समाज की ढाल बनकर खड़ा है। अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करना और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना ही हमारा एकमात्र ध्येय है। अन्य वक्ताओं ने भी संगठन को और मजबूत करने पर बल दिया। इसके पहले केन्द्रीय मंत्री व रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आ.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले का पार्टी के पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में "रिपब्लिकन पार्टी बहुत ज्यादा सीटों की मांग नहीं कर रही है, लेकिन हम लगभग 20-25 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।
उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को लखनऊ में एक बड़ी रैली होगी। जिसमें हमारा प्रयास 01 लाख लोगों को एकजुट करने का है।

भल में मस्जिद ध्वस्तीकरण पर भड़के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, बोले- लड़ेंगे 'कानूनी लड़ाई

संभल
जनपद संभल के कसेरुआ गांव में मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर सियासत तेज हो गई है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने रविवार को प्रेस वार्ता कर प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए और इसे जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान और अन्य धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जो समाज को बांटने की राजनीति का हिस्सा हैं।
सांसद बर्क ने दावा किया कि ध्वस्त की गई मस्जिद करीब 150 वर्ष पुरानी थी और वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत थी। उनका कहना है कि वक्फ संपत्ति से जुड़े मामलों की सुनवाई का अधिकार केवल वक्फ ट्रिब्यूनल को है, जबकि प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएम कोर्ट से आदेश पारित होने के तुरंत बाद बिना पर्याप्त समय दिए मस्जिद को गिरा दिया गया, जिससे प्रभावित पक्ष को उच्च अदालतों में अपील का अवसर नहीं मिल सका।
बर्क ने कहा कि वह इस मामले को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे तथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की उकसावे वाली राजनीति से बचें और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक और कानूनी रास्ता अपनाएं।
प्रेस वार्ता के दौरान मस्जिद परिसर से मिले "आई लव मोहम्मद" पोस्टरों और हरे झंडे को लेकर दर्ज एफआईआर पर भी सांसद ने प्रतिक्रिया दी।

नौकरी का झांसा देकर छह लाख की ठगी, फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाला आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर।
नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर लाखों रुपये की ठगी करने और फर्जी नियुक्ति पत्र देने के आरोप में चील्ह पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित पर दंपति से छह लाख रुपये ऐंठने के साथ ही विरोध करने पर धमकी देने का भी आरोप है।
पुलिस के अनुसार चील्ह थाना क्षेत्र के चेकसारी गांव निवासी धीरज मिश्र ने 17 मार्च को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही एक व्यक्ति ने उन्हें और उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि नौकरी लगवाने के नाम पर आरोपित ने उनसे करीब छह लाख रुपये ले लिए और बाद में कूटरचित नियुक्ति पत्र भी थमा दिया।
जब पीड़ित को नियुक्ति पत्र फर्जी होने की जानकारी हुई और उसने अपना पैसा वापस मांगा, तो आरोपित ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।
विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर रविवार को उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार यादव और प्रहलाद यादव की टीम ने चेकसारी से पुरजागीर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर नामजद आरोपित ताराशंकर तिवारी निवासी चेकसारी को गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।
अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और ठगी से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

सरायइनायत पुलिस द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज
झूंसी प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा सोमवार को मारपीट से सम्बन्धित 3 वारण्टी अभियुक्त सुरेन्द्र कुमार पुत्र महारानीदीन . भुवाईलाल पुत्र मातादीन . बसन्तलाल पुत्र मिठाईलाल निवासीगण ग्राम वारी थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत उनके निवास ग्राम वारी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।
गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
चौकी प्रभारी सहसो राजेश कुमार चौबे,. का0 राहुल यादव,. रि0का0 श्रवण कुमार भारती, थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

आग लगने से किसान की गृहस्थी जलकर खाक

डेढ़ लाख रुपए से अधिक नुकसान का अनुमान

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा तहसील क्षेत्र के ग्राम खंडेह में रविवार को अज्ञात कारणों से लगी आग में एक किसान की गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना में अनाज, कपड़े और घरेलू सामान नष्ट हो गया। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। ग्राम खंडेह निवासी राम अवतार पुत्र देवी दयाल के घर के छप्पर से रविवार सुबह अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। आग देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। राम अवतार ने पड़ोसियों की मदद से पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से घर में रखा अनाज, कपड़े तथा अन्य गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछारें डालकर सुलग रही आग को पूरी तरह बुझाया। पीड़ित राम अवतार ने बताया कि अग्निकांड में डेढ़ लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की गई है। कोतवाल संतोष सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर दमकल गाड़ी मौके पर भिजवाई गई। समय रहते दमकल कर्मियों ने आग बुझा दी। बताया कि आग से गृहस्थी का सामान जल गया है। जांच कराई जा रही है।

खदान से मौरंग लेने जा रहा डंपर बना आग का गोला, चालक झुलसा

हमीरपुर ।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कस्बा कुरारा से बेरी होकर भेड़ी खदान मौरंग लेने जा रहे डंफर में शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से जल गया। चालक भी आंशिक रूप से झुलस गया। आगजनी की सूचना पर दमकल दस्ते ने आग पर काबू पाया। रविवार को ट्रक मालिक ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

अतिक्रमण हटाने पहुंचा बुलडोजर खुद नाले में फंसा

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित बीएसएनएल ऑफिस के पीछे रविवार को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एक अप्रत्याशित घटना में अतिक्रमण हटाने पहुंचा बुलडोजर ही नाले में फंस गया। बताया जा रहा है कि मौके पर नाले का लेंटर अचानक टूट गया, जिससे बुलडोजर का एक टायर गहरे गड्ढे में धंस गया।

लखनऊ : महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल

लखनऊ
उत्तर प्रदेश के लखनऊ जनपद में गाजीपुर थाना क्षेत्र में बीती रात को पुलिस और बदमाश की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली से बदमाश घायल हो गया। तत्काल अभियुक्त को उपचार के लिए बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ऑटो, एक अवैध तमंचा एवं कारतूस बरामद किए गए हैं।
गाजीपुर थान पुलिस ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि छह जून को गाजीपुर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ ऑटो चालक एवं उसके साथी ने छेड़छाड़ की। विरोध में आरोपितों ने महिला से मारपीट एवं गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। महिला के शोर मचाने पर आरोपित द्वारा उसे रिंग रोड स्थित सेक्टर-25 के पास सड़क पर फेंक देने की सूचना प्राप्त हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना गाजीपुर पर तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए थाना स्थानीय पुलिस एवं लखनऊ पूर्वी जोन की क्राइम टीम को संयुक्त रूप से घटना के अनावरण के लगाया गया।
पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य सुरागों के आधार पर घटना में शामिल अभियुक्त सुमित कश्यप को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने इस घटना में अपने साथी सनी उर्फ शनि कश्यप की संलिप्तता बताई, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किए जा रहे थे।
07 जून को गाजीपुर पुलिस एवं लखनऊ पूर्वी जोन की क्राइम व सर्विलांस टीम क्षेत्र के सर्वोदय नगर बंधा रोड पर चेकिंग कर रही थी। सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित अभियुक्त महिला से मारपीट के मामले फरार चल रहा सीतापुर निवासी शनि कश्यप घटना में प्रयुक्त ऑटो से कल्याण अपार्टमेंट की ओर से शक्ति नगर ढाल की तरफ आ रहा है।
सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा और ऑटो अनियंत्रित होकर फुटपाथ से टकरा गया।
इसके बाद अभियुक्त ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, आत्मरक्षार्थ पुलिस की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त शनि कश्यप के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया।
पुलिस ने तत्काल अभियुक्त को इलाज के लिए राजधानी के बलरामपुर अस्पताल भेजा।

टोल प्लाजा के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस, पर्चे बांटकर चलाया जनजागरण अभियान

मीरजापुर।
वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग और मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर संचालित टोल प्लाजा को लेकर कांग्रेस ने विरोध का बिगुल फूंक दिया है।
सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अहरौरा नगर में जनजागरण अभियान चलाते हुए लोगों के बीच पर्चे बांटे और टोल वसूली के खिलाफ आवाज बुलंद की।
कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का दल नगर के विभिन्न इलाकों में पहुंचा और लोगों को टोल प्लाजा से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी।
इस दौरान उन्होंने वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर बनस्थली महाविद्यालय के पास स्थापित अस्थायी टोल प्लाजा तथा विंध्याचल क्षेत्र में संचालित टोल प्लाजा को लेकर सवाल उठाए। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि टोल वसूली के नाम पर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और आम यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है।
उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को प्रतिदिन आवागमन के दौरान अनावश्यक शुल्क देना पड़ रहा है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने लोगों से इस मुद्दे पर एकजुट होने और जनहित की लड़ाई में सहयोग करने की अपील की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि टोल प्लाजा से संबंधित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।
अभियान के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाजार और रिहायशी इलाकों में जाकर लोगों से संवाद किया तथा पर्चों के माध्यम से अपनी बात रखी।

शराब के लिए पैसे न देने पर कलयुगी बेटे ने ली मां की जान, पटक-पटक कर की हत्या

बांदा।
देहात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुरेह में रविवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नशे में धुत एक कलयुगी बेटे ने शराब के लिए पैसे न देने पर अपनी 75 वर्षीय बुजुर्ग मां की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी बेटे ने विवाद के दौरान मां को जमीन पर पटक दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।
मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम गुरेह निवासी पप्पू वर्मा (पुत्र मुनुवा) रविवार शाम शराब के नशे में घर पहुँचा। घर आते ही उसने अपनी मां रामरति से शराब पीने के लिए और पैसों की मांग की। जब मां ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। इसी दौरान, मौके पर मौजूद आरोपी की बहन ने जब बीच-बचाव कर भाई को समझाने की कोशिश की, तो आरोपी उस पर आग-बबूला हो गया और अपशब्दों का प्रयोग करने लगा। मां ने जब बेटे को अपनी बहन के साथ गाली-गलौज करने से रोका, तो वह आपा खो बैठा। गुस्से में भरे पप्पू ने अपनी बुजुर्ग मां को उठाया और जमीन पर जोर से पटक दिया।

बिजली व्यवस्था धड़ाम होने से किसानों में आक्रोश, ग्रामीणों ने दिया धरना

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में गत माह आए तूफान से ध्वस्त हुई विद्युत लाइनों के कारण नलकूप ठप होने से किसान धान की नर्सरी नहीं तैयार कर पा रहे हैं। नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग को लेकर टेढ़ा के किसानों ने रविवार को गांव स्थित सब स्टेशन में धरना देकर नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। किसानों का कहना कि धान की नर्सरी को प्रत्येक दशा में 15 जून तक बो जानी चाहिए।

गत माह 28 मई की रात आए भयानक तूफान में सर्वाधिक कहर सुमेरपुर क्षेत्र में बरपाया था। तूफान के चलते सुमेरपुर डिविजन में 1703 पोल क्षतिग्रस्त हुए थे। विद्युत विभाग अभी तक ५० फीसदी पोल नहीं लगा सका है। तूफान के बाद से नलकूपों की आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हो सकी है। रविवार को टेढ़ा के किसान जगमोहन, अभिषेक, वीरेंद्र सिंह, मनीष सिंह,महेश तिवारी, दीपू तिवारी, चंचल सिंह, पंकज यादव,टिल्ला सिंह, मुलायम सिंह, सुरेश सिंह, राकेश गुप्ता, जितेंद्र सिंह, सुखराम यादव, राजेश कुशवाहा, महेश मिश्रा, मुन्नू तिवारी आदि ने टेढ़ा विद्युत सब स्टेशन में धरना देकर नलकूपों की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। किसानों ने बताया कि गांव में करीब 500 से अधिक निजी नलकूप लगे हुए हैं। इनमें करीब 450 नलकूप मौजूदा समय में ठप हैं। किसानों का कहना है कि नलकूपों की आपूर्ति बाधित होने से धान की फसल की नर्सरी नहीं तैयार कर पा रहे है, जबकि धान की फसल की नर्सरी प्रत्येक दशा में 15 जून तक तैयार हो जाना चाहिए। लेकिन जिस तरह के हालात है उससे 15 जून तक आपूर्ति बहाल होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। टेढ़ा सब स्टेशन के अवर अभियंता रजनीश कुमार ने बताया किसानों ने पावर हाउस में धरना देकर समस्या से अवगत कराया है।
टेढ़ा सब स्टेशन से जुड़े गांवों में 425 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। सर्वाधिक नुकसान नलकूपों की लाइनों में हुआ। किसानों को जल्द आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया गया। सामग्री मंगाई जा रही है एक-दो दिन के अंदर नलकूपों की लाइन बनाने का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। बता दे कि टेढ़ा गांव का मौजा बहुत बड़ा है और यह गांव धान उत्पादन में जनपद का अव्वल गांव है। यहां पर किसान बासमती धान का उत्पादन बहुतायत में करते हैं। नलकूपों की आपूर्ति बहाल न होने से किसान बेहद परेशान है।

टाटा ग्रुप की 7 कंपनियां इस हफ्ते ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड

जानिए किन कंपनियों ने घोषित किया कितना लाभांश और रिकॉर्ड डेट

मुंबई ।

निवेशकों के लिए अच्छी खबर है, इस हफ्ते टाटा ग्रुप की कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड के तौर पर ट्रेड करेंगी। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के शेयर खरीदने वाले योग्य निवेशकों को लाभांश का भुगतान किया जाएगा। टाटा मोटर्स, वोल्टास, टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियां इस सूची में शामिल हैं, जिनकी रिकॉर्ड डेट 10 और 12 जून तय की गई है। इस सप्ताह टाटा समूह के शेयरधारकों को लाभांश का लाभ मिलने वाला है। कुल सात कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेडिंग के लिए तैयार हैं। इनमें टाटा स्टील लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं, जिन्होंने प्रति शेयर 4 रुपये का लाभांश घोषित किया है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 12 जून तय की गई है। वहीं टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने प्रति शेयर 11 रुपये का बड़ा लाभांश देने का ऐलान किया है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रति शेयर 3.40 रुपये का भुगतान करेगी। टाटा एलेक्सी लिमिटेड सबसे बड़ा लाभांश, प्रति शेयर 75 रुपये देने जा रही है। इन तीनों कंपनियों के लिए रिकॉर्ड डेट 10 जून निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, ट्रेंट लिमिटेड भी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी और अपने निवेशकों को प्रति शेयर 6 रुपये का लाभांश देगी। निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से पहले इन शेयरों को खरीदने पर ही लाभांश का लाभ मिलेगा।

सेमीकंडक्टर क्रांति- भारत में बनेंगे करोड़ों चिप्स, 2035 तक आधी जरूरतें होंगी पूरी

इसी साल शुरू होगा उत्पादन, आयात पर निर्भरता घटाने की दिशा में बड़ी छलांग

मुंबई ।

भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2035 तक भारत अपनी कुल सेमीकंडक्टर मांग का आधा हिस्सा (50 फीसदी) खुद देश में ही तैयार करने लगेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि कुछ फैक्ट्रियों में तो इसी साल से उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला भारी बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। फिलहाल भारत अपनी सेमीकंडक्टर जरूरतों का 90 फीसदी विदेशों से आयात करता है। सेमीकंडक्टर आयात बिल लगातार बढ़ रहा है; वित्त वर्ष 2019 में जहां यह 11.9 अरब डॉलर था, वहीं वित्त वर्ष 2025 तक इसके 30.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती निर्भरता और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ढ्ढस्रू) की प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें से कम से कम चार प्रोजेक्ट्स में इसी साल से कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। सरकार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लेकर आ रही है, जिसका बजट 1,00,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसका लक्ष्य सिर्फ चिप बनाना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े केमिकल, मशीनें और गैसें तैयार करने का पूरा ढांचा विकसित करना है। नीति आयोग का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की सेमीकंडक्टर मांग करीब 44 अरब डॉलर रहेगी, जो 2035 तक पांच गुना बढ़कर 206 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। आयोग का यह भी मानना है कि साल 2035 तक भारत करीब 120 अरब डॉलर का एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा कर लेगा। शुरुआती दौर में टाटा ग्रुप, सीजी पावर और कायन्स के तीन प्लांट इसी साल चालू हो जाएंगे, जो मिलकर हर दिन करीब 6.9 करोड़ (69 मिलियन) चिप बनाएंगे।

इसके अलावा, देश में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के प्रोजेक्ट को भी मंजूरी मिल गई है, जिसके तहत अगले 22 महीनों में देश के पहले माइक्रो-एलईडी चिप बनकर तैयार हो जाएंगे। यह पहल भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक मानचित्र पर एक मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी, जैसा कि चीन और जर्मनी जैसे देश भी अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

टॉप कंपनियों को 1.25 लाख करोड़ का नुकसान, आरआईएल सबसे बड़ा लूजर

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई की बाजार हैसियत बढ़ी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई।समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया।इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया।इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा।आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमश- एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली ।

भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अल्फाग्रेप का एमएफ बाजार में प्रवेश, 30,000 करोड़ एयूएम का लक्ष्य

सेबी की हरी झंडी, 6 जुलाई को खुलेगा मल्टी-एसेट फंड

नई दिल्ली ।

अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट अगले महीने अपनी पहली म्यूचुअल फंड योजना के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद, अल्फाग्रेप औपचारिक रूप से भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रवेश कर रहा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार उनकी पहली नई कोष पेशकश (एनएफओ) एक बहु-संपत्ति आवंटन कोष होगी, जो 6 से 20 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुलेगी। यह कोष इक्विटी, बॉन्ड, मनी मार्केट और सोने, चांदी व अन्य अनुमत जिंस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश करेगी। अंबानी ने बताया कि अल्फाग्रेप उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित 'क्वांटिटेटिव' निवेश रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को अलग व विशिष्ट उत्पाद देना है। बहु-संपत्ति कोष के बाद, एक ओपन-एंडेड डायनेमिक इक्विटी योजना भी पाइपलाइन में है, जो बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश करेगी। 2010 में स्थापित अल्फाग्रेप एक वैश्विक क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग और निवेश फर्म है।

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया।

हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

वैश्विक संकेत और रुपए की मजबूती पर भी रहेगी निवेशकों की रहेगी नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें। सरकार की तरफ से भी भविष्य में कुछ सकारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं, जो बाजार को और मजबूती प्रदान करेंगे।

मौसम की मार से मालदा के हिमसागर आम के निर्यात पर संकट

लगातार बारिश और बढ़े तापमान से आमों पर उभरे काले धब्बे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के प्रसिद्ध हिमसागर आम का निर्यात इस वर्ष मौसम की मार से संकट में है। लगातार बारिश और फिर बढ़े तापमान के कारण आमों पर काले धब्बे उभर आए हैं, जिससे बड़ी मात्रा में गुणवत्तापूर्ण फलों का निर्यात संभव नहीं हो पा रहा है। निर्यातकों के अनुसार ये धब्बे रोग संक्रमण के शुरुआती संकेत हैं। आमों को सुरक्षित रखने वाली बैगिंग तकनीक भी इस बार लगातार वर्षा और बाद में बढ़ी गर्मी के कारण अप्रभावी साबित हुई, जिससे फलों को भारी नुकसान पहुंचा। एक फूड प्रोडक्ट्स कंपनी ने बताया कि धब्बेदार फलों को विदेशी आयातक स्वीकार नहीं करते, जिसके चलते अमेरिका भेजी जाने वाली इस सीज़न की पहली खेप को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में निर्यात ऑर्डर होने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। हालांकि- उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। उनके अनुसार केवल लगभग 15 प्रतिशत बैग किए गए फल प्रभावित हुए हैं, और लाखों अन्य आम अभी भी निर्यात योग्य हैं। विदेशी बाजारों में हिमसागर की मांग मजबूत बनी हुई है। निर्यातक अब अप्रभावित बागानों से उच्च गुणवत्ता वाले आमों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बनाए रखने और निर्यात लक्ष्य का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

1.25 अरब की हरित इस्पात परियोजना छह से आठ महीने खिसकी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

प्याज पर ढील बेअसर, किसान बोले- एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल हो

केंद्र द्वारा खरीद मानकों में ढील का स्वागत, पर 1580 प्र ति क्विंटल की मौजूदा दर नाकाफी

नासिक ।

महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए अधिक राहत की मांग की है। किसानों का कहना है कि असली समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है और उन्होंने प्याज के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की औसत उत्पादन लागत (लगभग 1,800 रुपए प्रति क्विंटल) को भी पूरा नहीं करती। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के अनुसार, ढील के बावजूद किसान घाटे में हैं। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने नेफेड और एनसीसीएफ से प्रतिदिन खरीदे गए प्याज और किसानों की सूची सार्वजनिक करने, साथ ही खरीद कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) के माध्यम से कराने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पिछले चार-पांच महीनों में कम कीमत पर प्याज बेचने वाले लाखों किसानों को 1,500 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी देने की भी मांग की गई है ताकि वे हुए नुकसान की भरपाई कर सकें। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने नेफेड और एनसीसीएफ द्वारा की जाने वाली प्याज खरीद पर एपीएमसी शुल्क माफ कर दिया है, लेकिन किसान नेताओं का कहना है कि इसका लाभ मुख्य रूप से खरीद एजेंसियों को मिलेगा, किसानों को नहीं।

किसान संगठन ने चेतावनी दी है कि केवल मानकों में ढील देने से समस्या का समाधान नहीं होगा; इसके लिए लाभकारी मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

एनसीएलएटी ने लिगेयर एविएशन की दिवाला प्रक्रिया रद्द की

राउंड-ट्रिपिंग को बताया असली कर्ज नहीं

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने लिगेयर एविएशन लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने अपने फैसले में कहा कि यह वास्तविक वित्तीय ऋण का नहीं, बल्कि धन के केवल इधर-उधर स्थानांतरण (राउंड-ट्रिपिंग) का मामला था। न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि किसी लेन-देन को वित्तीय ऋण मानने के लिए उसमें टाइम वैल्यू ऑफ मनी का तत्व होना आवश्यक है, जो इस मामले में अनुपस्थित था। रिकॉर्ड से पता चला कि लिगेयर एविएशन को कोई वास्तविक वित्तीय ऋण नहीं दिया गया था। पीठ ने कहा कि यह लेन-देन केवल अघोषित उद्देश्यों के लिए धन के घुमाव का एक उदाहरण था, जिसके आधार पर दिवाला प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी। मामले की सुनवाई में सामने आया कि 31 मार्च, 2009 को रेलिगेयर आर्ट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड ने लिगेयर एविएशन को 3.6 करोड़ रुपये भेजे थे, पर यह राशि उसी दिन तुरंत रेलिगेयर फिनवेस्ट को स्थानांतरित कर दी गई। एनसीएलएटी ने पाया कि बैंक रिकॉर्ड भी समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच धन के लगातार आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। यह पुष्टि करता है कि यह वास्तविक ऋण नहीं था और राशि लिगेयर एविएशन के पास 24 घंटे भी नहीं रही थी। एनसीएलएटी ने अपने अंतिम आदेश में कहा कि जब कोई वास्तविक वित्तीय ऋण ही नहीं था, तो कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती थी।

यह मामला सिंह बंधुओं से जुड़े कारोबारी समूह की कंपनियों से संबंधित है।

उज्बेकिस्तान का भारतीय फार्मा को न्योता, बनेगा क्षेत्रीय हब

– सब्सिडी, तकनीक हस्तांतरण से निवेश, द्विपक्षीय व्यापार में तेजी

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान भारतीय दवा कंपनियों को आकर्षित करने हेतु सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सरल नियमन की पेशकश कर रहा है। देश का लक्ष्य खुद को क्षेत्रीय दवा विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक अे धिकारी ने बताया कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु नियामक मंजूरियों को आसान बनाना, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल करना और नौकरशाही बाधाएं कम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट व अनुमान लगाने योग्य नियामकीय समयसीमा से स्थानीय उत्पादन अधिक आकर्षक होगा। इसके अतिरिक्त, कर प्रोत्साहन, सब्सिडी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व औद्योगिक संकुलों में भागीदारी भी निवेश बढ़ाएगी। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा व दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता को उच्च मूल्य वाले फार्मा निवेश के लिए अहम बताया। ये सुधार भारतीय कंपनियों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक दवाओं के उत्पादन में मदद करेंगे, जो उज्बेकिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारेगा और उसे क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार 2025 में 33.3 फीसदी बढ़कर 1.31 अरब डॉलर पहुंच गया।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

–बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई ।भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था।कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है।मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है।अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है।उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है।मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं।उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया।वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये।ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा।रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरे्‌लू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा।उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे।रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं।टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा।रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है।उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता।रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली ।भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं।उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं।साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है।दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं।ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है।एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं।पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं।पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं।उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके।इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए।हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए।उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है।उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं।सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है।दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई ।पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी।इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है।वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, ' श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है।वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं।अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है।हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता।उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो।अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं।टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है।उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए।उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते।ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है।उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है।इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती।उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है।उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया।शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये।युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये।उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने ।भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली ।वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय।शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये।इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की।उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये।शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय।टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी।टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्क में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

तनाव से छुटकारा पाने के उपाय

सबसे जरूरी है कि ऐसी किसी भी परिस्थिति में आप अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखें। इससे आपके आत्मबल में वृद्धि होती है और उस परिस्थिति का सामना करने का आपका नजरिया बदलता है अचानक पैदा हुई मुश्किल से निपटने के लिए मानसिक तौर पर भी मजबूत रहते हैं। सकारात्मक सोच से इससे बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है।

- तनाव दूर करने के लिए मद्यपान, धूम्रपान आदि न करें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक रुख अपनाएं।
- बदले की भावना, गुस्से और डर आदि से और अधिक तनाव पैदा होता है, इन्हें त्यागें।
- स्वयं की जीवन शैली में बदलाव तनाव से छुटकारा पाने में सहायक हो सकते हैं।
- यदि स्ट्रैस लगातार बढ़ता है तो हैल्थ प्रोफेशनल्स से सलाह करें।
- अधिक तनाव से आपका व्यक्तित्व प्रभावित होता है।
- शारीरिक, भावनात्मक रूप से बदलाव के लिए खुद को तैयार रखें।
- तनाव को दूर भगाने के लिए हंसी बेहद कारगर है। इससे हाइपरटेंशन कम होता है, व ब्लड प्रैशर भी कम होता है।
- हंसी शरीर के प्राकृतिक पेन किलर्स- एन्डोर्फिन्स को गतिशील करती है।
- श्वास प्रक्रिया, प्राणायाम व अन्य योग क्रियाएं करें। ध्यान लगाने का अभ्यास करें।
- स्वयं को रिफ्रेश, रिएनर्जाइज व री-मोटिवेट करने के लिए परिवार के संग क्वालिटी टाइम बिताएं।
- दैनिक कार्यों की सूची तैयार करें और उनकी प्राथमिकताएं तय करें, व्यावहारिक रूपरेखा तैयार कर कार्य पूर्ण करें।
- यदि कम्पनी इजाजत दे तो कार्य के दौरान पसंदीदा गाने सुनें, सह-कर्मचारियों को असुविधा न हो इसके लिए हैड-फोन इस्तेमाल करें। संगीत को एक बेहतरीन स्ट्रेस रिलीवर माना जाता है।
- ऑफिस में काम पर ध्यान दें। गॉसिप्स आदि से जॉब-स्ट्रैस बढ़ता है आफिस में घरेलू परिचर्चा न करें,यदि कोई सह-कर्मचारी गॉसिप्स में व्यस्त रखना चाहे तो या तो उस स्थान पर न ठहरें अथवा ऐसा कोई वक्तव्य न दें जिससे किसी की भावनाओं को ठेस लगे। सभी अफवाहों आदि पर ध्यान देने व जानकारी रखने से स्ट्रैस बढ़ता है।

हेल्थ प्लस

कुछ बातें सेहत की

हमारा शरीर 16 तत्वों से बना होता है। इन तत्वों का अनुपात सही रहना चाहिए। आहार के रूप में मनुष्य के शरीर का निर्माण करने वाले ये यौगिक पदार्थ प्रोटीन, कार्बोज, वसा और खनिज लवण इन चार वर्गों में विभक्त किए गए हैं। आइए, इनके महत्व व सेवन के बारे में जानें।

प्रोटीन : यह शरीर को शक्ति देता है व रक्त का निर्माण करता है। श्रम के कारण होने वाले क्षय की पूर्ति करता है। ऑक्सीजन ग्रहण करके उसे शरीर के सभी भागों में पहुँचाता है। इसके लिए दूध, घी, दालें, सेम व मटर का सेवन करना चाहिए।

वसा : शरीर को शक्ति और ऊष्णता प्रदान करता है।

कार्बोज : हमारे शरीर की मांसपेशियाँ इसी के बल पर कार्य करती हैं। गेहूँ, चावल, जौ, बाजरा, आलू, अमरूद, केला, खजूर, मुनक्का, किशमिश, गुड़, चीनी तथा अन्य मीठे पदार्थों में यह पाया जाता है।

खनिज लवण : शरीर को ये क्षार प्रदान करते हैं, जो अम्लता को कम करते हैं तथा शरीर की रक्षा करते हैं। प्राकृतिक रूप में साग, तरकारियाँ, दूध व फलों में ये उपस्थित होते हैं।

अंकुरित अनाज : यह उत्तम स्वास्थ्यवर्धक आहार है। इनसे मोटापा भी घटता है व जीवनशक्ति बढ़ती है। शरीर के लिए आवश्यक सभी तत्व इनसे मिल जाते हैं।

बातें काम की

- सुबह का नाश्ता अनिवार्य रूप से करें, जो पौष्टिक हो। दोपहर का भोजन सामान्य तथा रात्रि भोजन हल्का लें।
- भोजन के तुरंत पहले व बाद में पानी न पिएँ और नीबू मिला जल दिन में प्रचुर मात्रा में लें।
- भूख न होने पर खाना न खाएँ। भोजन में तेल-घी की मात्रा सीमित रखें।
- पानी ज्यादा पिएँ। कम से कम दिनभर में 8-10 गिलास। कम पानी पीने वालों को कब्ज तथा अन्य दिक्कतें हो सकती हैं। जल रक्त को तरल बनाता है।
- सुबह उठते ही 1 गिलास ताँबे के लोटे का कुनकुना पानी पिएँ।
- रात को सोते समय 1 गिलास कुनकुने पानी में नीबू डालकर पिएँ।
- रोटी कम खाएँ। सब्जी-फलों का सेवन अधिक करें।
- भोजन के बाद तुरंत नहीं सोएँ। खाना खाकर 40-50 कदम टहलें, फिर सोने जाएँ।
- सुबह-शाम नियमपूर्वक शक्ति अनुसार खुली हवा में तेज चलकर टहलें या हल्का व्यायाम करें।

भुट्टा खाओ, सेहत बनाओ

वर्षा की फुहारों में गरमा-गरम भुट्टे और उसके विविध व्यंजन खाने का एक अलग ही मजा है। भुट्टा ग्रेमिनी कुल का एक प्रसिद्ध धान्य है।

आयुर्वेद के अनुसार कच्ची मक्का का भुट्टा तृप्तिदायक, वातकारक, कफ, पित्तनाशक, मधुर और रुचि उत्पादक अनाज है। भुट्टे में पौष्टिक तत्व कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसमें मुख्य रूप से प्रोटीन होता है। हालाँकि इस प्रोटीन को अपूर्ण प्रोटीन माना गया है क्योंकि इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो अम्ल जैसे ट्रिप्टोफेन, सिस्टीन तथा मिथियोनिन आदि अल्प मात्रा में होते हैं। सौ ग्राम भुट्टे के दानों से 343 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। भुट्टे के 100 ग्राम दानों (कच्ची मक्का) में निम्न पोषक तत्वों की मात्रा, खनिज एवं विटामिन पाए जाते हैं।

पोषक तत्वों की मात्रा

खनिज लवण 1.5 प्रश, रेशा 2.7 प्रश, वसा 3.6 प्रश, प्रोटीन 11.1 प्रश, नमी 14.9 प्रश, कार्बोहाइड्रेट 66.2 प्रश ऊर्जा 343 किलो कैलोरी।

खनिज एवं विटामिन

आयरन 2.3 मि. ग्राम, कैल्शियम 10.0 मि.ग्राम, फास्फोरस 3.48 मि.ग्राम, केरोटिन 90 माइकोग्राम, थायमिन 0.42 मि.ग्रा, राइबोक्लेविन 0.10 मि.ग्राम, फोलिक एसिड 20 माइक्रो ग्राम।

औषधीय गुण

- मक्का के ताजे दानों को पानी में अच्छी तरह से उबालकर उस पानी को छानकर शहद या मिश्री मिलाकर सेवन करने से गुर्दों की कमजोरी दूर होती है।
- मक्का के दाने भूनकर खाने से पाचन तंत्र के रोग दूर होते हैं।
- भूना हुआ भुट्टा खाने से दाँत एवं दाढ़ मजबूत होते हैं, तथा ये दाने लार बनाने में भी सहायक हैं, जिससे मुख व दाँतों की दुर्गंध भी दूर होती है।
- मक्का के दानों को जलाकर उसकी राख में सेंधा नमक एवं पानी मिलाकर पीने से खाँसी एवं पथरी रोगों में लाभ होता है।
- भुट्टे के भूने हुए नरम मुलायम दाने हृदय रोगियों के लिए एक अच्छा आहार है, क्योंकि इसमें वसा की मात्रा बहुत ही कम होती है। इसका उपयोग उचित मात्रा में करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा नियंत्रित रहती है।
- मक्का के ताजे पत्तों को पीसकर सिर पर लेप करने से सिरदर्द दूर हो जाता है।
- वर्षा की फुहारों में भुट्टे के दानों से बना हलवा खाने से अमाशय को बल मिलता है। यह रक्तवर्धक भी है।
- मक्का के आटे से बनी रोटियाँ खाने से खून साफ होता है तथा शरीर बलवान होता है।

सौंदर्य भरे गुण

- चेहरे पर कील, मुँहासे एवं झाइयाँ हो जाने पर मक्का के आटे को पानी में घोलकर अच्छी तरह से फेटकर चेहरे पर हल्के हाथों से मलने से निखार आता है।
- भुट्टे के कच्चे दानों की लुगदी बनाकर ऐड़ियों पर लेप करें। कटी-फटी ऐड़ियाँ फिर से जुड़कर दमकने लगेगी।

कुछ ऐसा भी करें

- अधिक मात्रा में भुट्टों का सेवन करने के पश्चात भोजन नहीं करें, अन्यथा पेट में गैस बनने लगेगी और कब्ज की शिकायत भी महसूस होने लगेगी।
- भुट्टे सेवन के पश्चात एक गिलास छाछ पी लेना बहुत गुणकारी होता है। इससे भुट्टे आसानी से पच जाते हैं।

विटामिन ए

शरीर में सेल और टिशू की ग्रोथ के लिए विटमिन ए जिम्मेदार होता है। शरीर की इम्यूनिटी (रोग प्रतिरोधी क्षमता) को बढ़ाने, आंखों की रोशनी को ठीक रखने के लिए विटामिन ए के सेवन की सलाह दी जाती है। पर महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही विटामिन ए लेनी चाहिए, क्योंकि ज्यादा मात्रा में इसका सेवन होने वाले बच्चे में कोई दोष पैदा कर सकता है। दूध, अंडा, लिवर, मछली का तेल, फल और हरी सब्जियां खास तौर पर गहरे हरे रंग की पत्ते वाली सब्जियां विटामिन ए केअच्छे स्रोत हैं।

दुर्गंधनाशक पुदीना

पुदीना बदबू पैदा करने वाले जीवाणुओं को मारता है। पुदीने की पत्तियां चबाने से मुंह की बदबू दूर होती है, दांत सफेद होते हैं व आप सांसों में ताजगी महसूस करते हैं। यह मसूड़ों को मजबूत बनाता है और दांतों की भी सड़ने से रक्षा करता है। मुंह के छाले व मसूड़ों के दर्द में इसके पानी के कुल्ले करने से आराम मिलता है।

इसका गुण शीतल है। गर्मियों में नींबू-पानी में पुदीना डालकर पीने से ठंडक मिलती है। लू लगने और सिरदर्द होने पर इसे पीसकर ठंडाई की तरह पिलाया जाता है।

गर्म पानी में नमक व पुदीने की पत्तियां डालकर गरारे करने से गले की खराश में आराम मिलता है। पुदीना खाने से भूख लगनी शुरू हो जाती है। भारी भोजन के बाद पुदीना की पत्ती खाने से खाना हज्म हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3911

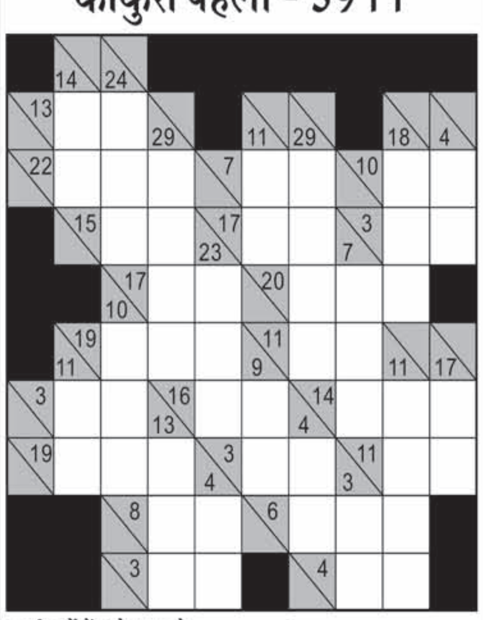

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3910 का हल

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला,उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा,'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली,'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला,'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3911

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3910

सूडोकु -3911

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3910 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3911

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3910 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी